12 & 13-03-2024

iNext

तीन दिन में सिखाएंगे पॉल्यूशन कंट्रोल की सस्टेनेबल टेक्निक

एनएसआई और सीपीसीबी के संयुक्त तत्वावधान में शुरु हुई पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अफसरों की ट्रेनिंग

गेस्ट को किया सम्मानित.

kanpur@inext.co.in

KANPUR (12 March): नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) में ट्यूसडे से एनएसआई और सेंट्रल पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के संयुक्त तत्वावधान में शुगर मिल्स और डिस्टिलरी यूनिट्स में पाल्यूशन कंट्रोल के लिए तीन दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम को चीफ गेस्ट, एक्स डायरेक्टर एसके मित्रा ने दीप जलाकर किया. तीन दिवसीय ट्रेनिंग में यूपी, कर्नाटक, उड़ीसा, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा के पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अफसरों को पाल्यूशन कंट्रोल की बेस्ट टेक्निक आदि बताई जाएंगी.

साइंटिस्ट ले रहे ट्रेनिंग

कोआर्डिनेटर और बायो केमिकल डिपार्टमेंट की हेड प्रो. सीमा परोहा ने ट्रेनिंग सेशन की थीम को बताया. डायरेक्टर प्रो. डी स्वाईन ने बताया कि इस ट्रेनिंग सेशन में 24 अफसर और साइंटिस्ट ट्रेनिंग ले रहे हैं. इसका ट्रेनिंग को एनवायरमेंटल सेफ्टी को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है. तीन दिनों में इकोनॉमिक, एनवायरमेंट और टेक्निकल सस्टेनेबल मैथड से पाल्यूशन कंट्रोल के टिप्स बताए जाएंगे, जिससे जीवनदायी वायु, जल और प्रकृति के अन्य घटकों की रक्षा की जा सके. इस मौके पर शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी, अनूप कुमार कनौजिया, महेन्द्र कुमार यादव, डॉ. अनंत लक्ष्मी रंगनाथन और अखिलेश कुमार पांडेय आदि मौजूद रहे.

कम लागत में ज्यादा प्रोडक्शन वाली वैरायटी बताई

पाल्यूशन कंट्रोल के टिप्स बताए.

एनएसआई में बिहार के पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण और गोपालगंज जिले से प्रोग्रेसिव शुगरकेन फार्मर का 35 सदस्यीय दल मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना कार्यक्रम के अंतर्गत अंतरर्राज्यीय एक्सपोजर विजिट सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में आया हुआ है. शुभारंभ एनएसआई डायरेक्टर प्रो. डी स्वाईन ने कम लागत में अधिक उत्पादन वाली शुगरकेन वैरायटी के यूज पर जोर देते हुये कई वैरायटीज के बारे में बताया. इस मौके पर प्रो. (डॉ.) सीमा परोहा, डॉ. अशोक कुमार आदि मौजूद रहे.

जन एक्सप्रेस

प्रदूषण नियंत्रण विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर एवं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कल्याणपुर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एस.के. मित्रा ने परंपरागत तरीके से सरस्वती मां के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की समन्वयक एवं जैव रसायन विज्ञान प्रमुख प्रोफेसर डॉक्टर सीमा परोहा आचार्य जैव रसायन ने प्रशिक्षण हेतु देश के विभिन्न प्रांतो से आए वरिष्ठ वैज्ञानिकों सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेत्ताओं एवं व्याख्यान दाताओं का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय वस्तु पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डी स्वाईन ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से पर्यावरणीय संरक्षण को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। साथ ही वर्तमान परिदृश्य में शर्करा एवं एथेनॉल के उत्पादन में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चर्चा करते हुए उन्होंने विभिन्न इकाइयों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। साथ ही साथ प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिकों और अधिकारियों से आवाहन किया कि वह उपलब्ध आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल हेतु मीलों और आसवनियों को जागरूक करें जिससे जीवनदाई वायु जल और प्रकृति के अन्य घटकों की रक्षा की जा सके। कार्यक्रम के चलते संस्थान के विशिष्ट सहायक आचार्य शैलेंद्र कुमार त्रिवेदी ने अपने संबोधन में प्लांटेशन व्हाइट सूगर एवं रिफाइंड शुगर उत्पादन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संस्थान के सहायक शर्करा अभियांत्रिकी अनूप कुमार कनौजिया ने चीनी मिलों के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी चार्टर 2.0 पर प्रकाश डालते हुए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दायित्व की चर्चा की। इसी कड़ी में महेंद्र कुमार यादव, विवेक प्रताप सिंह ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये।

किसानों के 35 सदस्य दल को गन्ना उत्पादन को लेकर दिया गया प्रशिक्षण

राष्ट्रीय सरकार संस्थान कानपुर में 11 मार्च से 15 मार्च तक चलने वाले प्रशिक्षण शिविर में बिहार के पूर्वी चंपारण पश्चिमी चंपारण एवं गोपालगंज जिले के प्रगतिशील गन्ना किसानो का मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर राज्य एक्सपोजर विजिट सह प्रशिक्षण में संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डी स्वाईन में कम लागत में अधिक उत्पादन वाली गन्ने की प्रजातियों के उपयोग पर जोर देते हुए कई उन्नत गाने की प्रजातियो के बारे में जानकारी दी।

सत्य का असर

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

13,03,2024 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834816

कानपुर **वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल**

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान मे चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में दिनांक 12.3.2024 से 143.2024 तक चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये मौजूद उपयोगी और उपलब्ध सर्वोत्तम तकनीकें" विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान के पूर्व निदेशक, श्री एस. के. मित्रा ने दीप प्रज्जवलन व मां शारदा को माल्यार्पण कर किया।>कार्यक्रम की समन्वयक एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख प्रो. (डॉ.) सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने प्रशिक्षण हेतु देश के विभिन्न प्रांतों से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेताओं एवं व्याख्यानदाताओं का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय वस्तु (थीम) पर विस्तार से प्रकाश डाला।>उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये संस्थान के निदेशक, प्रो. डी. स्वाईन ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से पर्यावरणीय संरक्षण को ध्यान में रखते हुये तैयार किया गया है। साथ ही वर्तमान परिदृश्य में शर्करा एवं इथेनाल के उत्पादन में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चर्चा करते हुये उन्होंने विभिन्न इकाइयौ में आपरेशन के दौरान उत्पन्न होने वाले विविध प्रदूषकों पर नियंत्रण एवं शमन हेतु उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के बारे में से विस्तार से अवगत करवाया तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिकों और अधिकारियों से आहवान किया कि वे उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल हेतु मिलों और आसवनियों को जागरूक करें, जिससे जीवनदायी वायु, जल और प्रकृति के अन्य घटकों की रक्षा की जा सके।>संस्थान के वरिष्ठ सहायक आचार्य शर्करा शिल्प, श्री शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में प्लांटेशन व्हाइट शुगर एवं रिफाइंड शुगर उत्पादन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।संस्थान के सहायक आचार्य शर्करता अभियांत्रिकी, श्री अनूप कुमार कनौजिया ने चीनी मिलों के लिये केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी नवीनतम चार्टर 2.0 पर प्रकाश डालते हुये राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दायित्वों की चर्चा की।श्री महेन्द्र कुमार यादव, कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने चीनी मिलों में अपशिष्ट प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों को अपनाये जाने पर जोर देते हुये कहा कि समय की मांग है कि चीनी मिलों को अपनी वर्तमान कार्यप्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन किया जाना नितांत आवश्यक है।अपने व्यख्यान में श्री विवेक प्रताप सिंह, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ने इफलुमेंट ट्रीटमेंट प्लांट के विभिन्न उपकरणी की क्षमताओं, उसकी कार्यप्रणाली और चीनी मिलों के आपरेशन पर सारगर्भित जानकारी दी>प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिये देश के विभिन्न प्रांतों से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेताओं एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले संस्थान के विषय विशेष विशेषज्ञ व्याख्यानदाताओं एवं कार्यक्रम से जुड़े हर सदस्य को डॉ. अनंत लक्ष्मी रंगनाथन, सहायक आचार्य जैव रसायन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। (अखिलेश कुमार पाण्डेय)मुख्य अभिकल्पक

सच की अहमियत

चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

कानपुर - राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये मौजूद उपयोगी और उपलब्ध सर्वोत्तम तकनीकें विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान के पूर्व निदेशक, एस.के. मित्रा ने दीप प्रज्जवलन और मां शारदा को माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम की समन्वयक एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख प्रो. (डॉ.) सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने प्रशिक्षण हेतु देश के विभिन्न प्रांतों से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेत्ताओं एवं व्याख्यानदाताओं का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय वस्तु (थीम) पर विस्तार से चर्चा की। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये संस्थान के निदेशक, प्रो. डी. स्वाईन ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से पर्यावरणीय संरक्षण को ध्यान में रखते हुये तैयार किया गया शर्करा एवं इथेनाल के उत्पादन में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चर्चा करते हुये उन्होंने विभिन्न इकाइयों में आपरेशन के उत्पन्न होने वाले विविध प्रदूषकों पर नियंत्रण एवं शमन हेतु उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के बारे में से विस्तार से अवगत करवाया तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिकों और अधिकारियों से आह्वान किया कि वे उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल हेतु मिलों और आसवनियों को जागरूक करें, जिससे जीवनदायी वायु, जल और प्रकृति के अन्य घटकों की रक्षा की जा सके। संस्थान के वरिष्ठ सहायक आचार्य शर्करा शिल्प शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन में प्लांटेशन व्हाइट शुगर एवं रिफाईंड शुगर उत्पादन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संस्थान के सहायक शर्करा अभियांत्रिकी, अनूप कुमार कनौजिया ने चीनी मिलों के लिये केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी नवीनतम चार्टर 2.0 पर प्रकाश डालते हुये राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दायित्वों की चर्चा की। महेन्द्र कुमार यादव, कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने चीनी मिलों में अपशिष्ट प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों को अपनाये जाने पर जोर देते हुये कहा कि समय की मांग है कि चीनी मिलों की अपनी वर्तमान कार्यप्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन किया जाना नितांत आवश्यक है। विवेक प्रताप सिंह, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ने इफ्लुयेंट ट्रीटमेंट प्लांट के विभिन्न उपकरणों की क्षमताओं, उसकी कार्यप्रणाली और चीनी मिलों के आपरेशन पर सारगर्भित जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिये देश के विभिन्न प्रांतों से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेत्ताओं एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले संस्थान के विषय विशेष विशेषज्ञ व्याख्यानदाताओं एवं कार्यक्रम से जुड़े हर सदस्य को डॉ. अनंत लक्ष्मी रंगनाथन, सहायक आचार्य जैव रसायन ने सभी को धन्यवाद दिया।

स्वतंत्र भारत

एनएसआई : चीनी मिलों में सर्वोत्तम तकनीकी विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्वतंत्र भारत सं. कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, एनएसआई एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में 12 से 14 मार्च तक चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिये मौजूद उपयोगी और उपलब्ध सर्वोत्तम तकनीकें विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं संस्थान के पूर्व निदेशक एस.के. मित्रा ने दीप प्रज्जवलन व मां शारदा को माल्यार्पण कर किया।

कार्यक्रम की समन्वयक एवं जैव रसायन विभाग प्रमुख प्रो. सीमा परोहा, आचार्य जैव रसायन ने प्रशिक्षण हेतु देश के विभिन्न प्रांतों से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेत्ताओं एवं व्याख्यानदाताओं का स्वागत करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के मूल विषय वस्तु पर विस्तार से प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुये संस्थान के निदेशक, प्रो. डी. स्वाईन ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से पर्यावरणीय संरक्षण को ध्यान में रखते हुये तैयार किया गया है। वर्तमान परिदृश्य में शर्करा एवं इथेनाल के उत्पादन में आने वाली चुनौतियों के संबंध में चर्चा करते हुये उन्होंने विभिन्न इकाइयों में आपरेशन के दौरान उत्पन्न होने वाले विविध प्रदूषकों पर नियंत्रण एवं शमन हेतु उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के बारे में से विस्तार से अवगत करवाया। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिकों और अधिकारियों से आहवान किया कि वे उपलब्ध आधुनिक तकनीकों के इस्तेमाल हेतु मिलों और आसवनियों को जागरूक करें, जिससे जीवनदायी वायु, जल और प्रकृति के अन्य घटकों की रक्षा की जा सके। संस्थान के वरिष्ठ सहायक आचार्य शर्करा शिल्प शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी ने कहा प्लांटेशन व्हाइट शुगर एवं रिफाईंड शुगर उत्पादन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संस्थान के सहायक आचार्य शर्करा अभियांत्रिकी अनूप कुमार कनौजिया ने चीनी मिलों के लिये केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जारी नवीनतम चार्टर 2.0 पर प्रकाश डालते हुये राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के दायित्वों की चर्चा की। महेन्द्र कुमार यादव, कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी ने चीनी मिलों में अपशिष्ट प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों को अपनाये जाने पर जोर देते हुये कहा कि समय की मांग है कि चीनी मिलों को अपनी वर्तमान कार्यप्रणाली में आमूल-चूल परिवर्तन किया जाना नितांत आवश्यक है। व्याख्यान में विवेक प्रताप सिंह, कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ने इफ्लुयेंट ट्रीटमेंट प्लांट के विभिन्न उपकरणों की क्षमताओं, उसकी कार्यप्रणाली और चीनी मिलों के आपरेशन पर सारगर्भित जानकारी दी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिये देश के विभिन्न प्रांतों से आये वरिष्ठ वैज्ञानिकों, सुप्रसिद्ध पर्यावरणवेत्ताओं एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले संस्थान के विषय विशेष विशेषज्ञ व्याख्यानदाताओं एवं कार्यक्रम से जुड़े हर सदस्य को डॉ. अनंत लक्ष्मी रंगनाथन, सहायक आचार्य जैव रसायन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

15 मार्च तक चलेगा प्रशिक्षण

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में 11 से 15 मार्च तक के प्रशिक्षण हेतु बिहार के पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण एवं गोपालगंज जिले से प्रगतिशील गन्ना किसानों का एक 35 सदस्यीय दल मुख्यमंत्री गन्ना विकास योजना कार्यक्रम के अंतर्गत अंतरराज्यीय एक्सपोजर विजिट सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम में संस्थान आया हुआ है।

दैनिक जागरण

चीनी मिलों से अपशिष्ट उत्सर्जन रोकना अब संभव

जासं, कानपुर : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) के सभागार में मंगलवार को चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण की सर्वोत्तम तकनीकों पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। संस्थान के निदेशक प्रो. डी स्वाइन ने कहा कि संस्थान की ओर से कई ऐसी तकनीकों का विकास किया गया है जिनसे चीनी मिलों से अपशिष्ट उत्सर्जन रोकना संभव हो गया है। इसका असर भी दिख रहा है लेकिन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जिम्मेदारी है कि वह चीनी मिलों की कड़ी निगरानी करे जिससे प्रदूषण उत्सर्जन पर संपूर्ण रोक लगाई जा सके। कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसआइ के पूर्व निदेशक एसके मित्रा ने किया। प्रो. सीमा परोहा ने आयोजन के उद्देश्यों की चर्चा की।

दैनिक हिन्दुस्तान

एनएसआई में बिहार से आया किसानों का दल

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में प्रशिक्षण के लिए बिहार के पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण एवं गोपालगंज जिले से प्रगतिशील गन्ना किसानों का एक 35 सदस्यीय दल सह-प्रशिक्षण के तहत आया हुआ है। संस्थान के निदेशक प्रो. डी. स्वाईन ने कम लागत में अधिक उत्पादन वाली गन्ने की प्रजातियों के उपयोग पर जोर देते हुए कई उन्नत गन्ने की प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। यहां प्रो. सीमा परोहा, डॉ. अशोक कुमार, सचिन सिंह, विनय कुमार आदि रहे।

दैनिक हिन्दुस्तान

प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रशिक्षण शुरू

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में मंगलवार को चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपलब्ध सर्वोत्तम तकनीक विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हो गया। इसका आयोजन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से किया जा रहा है। संस्थान के निदेशक प्रो. डी स्वाईन ने कहा कि इस प्रशिक्षण से प्रदूषण की समस्याओं का हल निकलेगा। प्रशिक्षण में एसके, प्रोफेसर सीमा परोहा, शैलेन्द्र कुमार त्रिवेदी आदि मौजूद रहे।

Digital News

- कानपुर शर्करा संस्थान में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ
- एनएसआई में चीनी मिलों व असवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण तकनीक पर प्रशिक्षण शुरू।
- NSI के डायरेक्टर प्रो. डी.स्वाईन से खास बातचीत/ pollution/farmer/ गन्ने की उपज/ NSI की ट्रेनिंग
- चीनी मिलों और आसवनी इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रण हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम